वर्ष 2025-26 में संस्थान में 29 संस्थान में 1010 बेड के अस्पताल को मिला।

उप्र विधान परिषद सभापति के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का सेशेल्स दौरा, लोकतांत्रिक व्यवस्था का लिया अनुभव

विक्टोरिया (सेशेल्स) / लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इन दिनों सेशेल्स गणराज्य के दौरे पर है।दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सेशेल्स के उच्चायुक्त से आत्मीय शिष्टाचार भेंट की।भेंटवार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच पुराने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संसदीय संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

सेशेल्स की संसद का किया भ्रमण

प्रतिनिधिमंडल ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली का भी भ्रमण किया। संसद भवन के सभागार में लाल कालीन, आधुनिक बैठक व्यवस्था और दीवार पर लगा सेशेल्स का राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह आकर्षण का केंद्र रहा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने वहां की संसदीय कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक परम्पराओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

ताकामाका का 400 वर्ष पुराना फ्रेंच इतिहास

चर्चा के दौरान ताकामाका का विशेष रूप से उल्लेख किया गया। ताकामाका सेशेल्स का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो लगभग 400 वर्ष पुरानी फ्रेंच कॉलोनी के रूप में विख्यात है। बताया जाता है कि आज भी यहाँ बड़ी संख्या में फ्रेंच मूल के परिवार निवास करते हैं, जो अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को आज भी जीवंत बनाए हुए हैं। यह क्षेत्र भारत-सेशेल्स-फ्रांस के त्रिकोणीय ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है। सभापति ने इस अवसर पर कहा, भारत और सेशेल्स के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि दिलों के संबंध हैं। ताकामाका जैसी ऐतिहासिक विरासतें हमें साझा इतिहास की याद दिलाती हैं। इस दौरे से उत्तर प्रदेश और सेशेल्स के बीच संसदीय ज्ञान-साझाकरण और सांस्कृतिक सहयोग को नई दिशा मिलेगी। उच्चायुक्त ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश के आतिथ्य और भारत की लोकतांत्रिक विरासत की सराहना की।

68500 शिक्षक भर्ती आरक्षण विसंगति मामला

में और बदलाव की संभावना। उपाध्यक्ष सुनील भदौरिया समेत समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सेशेल्स दौरे पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल, संसदीय व्यवस्था का लिया अनुभव

लखनऊ (जनसंदेश टाइम्स)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति के नेतृत्व में उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल इन दिनों सेशेल्स गणराज्य के दौरे पर है। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सेशेल्स के महामहिम उच्चायुक्त से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर भारत और सेशेल्स के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं संसदीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

सेशेल्स नेशनल असेंबली का भ्रमण

प्रतिनिधिमंडल ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली का भी भ्रमण किया। संसद भवन के सभागार में आधुनिक बैठक व्यवस्था और सेशेल्स का राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह आकर्षण का केंद्र रहा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने वहां की संसदीय कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक परंपराओं की जानकारी ली। इस दौरान दोनों देशों की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और संसदीय अनुभवों के आदान-प्रदान पर भी विचार-विमर्श हुआ।

ताकामाका के इतिहास की जानकारी

दौरे के दौरान ताकामाका क्षेत्र का भी विशेष उल्लेख किया गया। बताया गया कि यह क्षेत्र करीब 400 वर्ष पुराने फ्रांसीसी औपनिवेशिक इतिहास से जुड़ा है। यहां आज भी बड़ी संख्या में फ्रेंच मूल के परिवार निवास करते हैं, जो अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए हुए हैं। ताकामाका भारत, सेशेल्स और फ्रांस के ऐतिहासिक संबंधों की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जाता है। सभापति ने कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि आत्मीयता और साझा विरासत से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरे से उत्तर प्रदेश और सेशेल्स के बीच संसदीय ज्ञान-साझाकरण तथा सांस्कृतिक सहयोग को नई दिशा मिलेगी। वहीं, सेशेल्स के उच्चायुक्त ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए भारत की लोकतांत्रिक विरासत और उत्तर प्रदेश के आतिथ्य की सराहना की।